हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार 6 जुलाई 2026

13 अमित यादव ने बनाया भारत का पहला ईंट भट्ठा लेबर...

14 जीरामजी के तहत अब पंचायतों में 58 तरह के होंगे...

प्रशासन-पुलिस की मुस्तैदी और व्यापक प्रबंधों से मिली राहत

कड़ी सुरक्षा के बीच शांतिपूर्ण संपन्न हुई एचटेट
12,793 में से 10,787 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

- उपायुक्त स्वयं पूरे समय परीक्षा व्यवस्था पर नजर बनाए रहीं और कंट्रोल रूम के माध्यम से पल-पल की जानकारी लेती रहीं

हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा (एचटेट)-2026 महेंद्रगढ़ जिले में शनिवार और रविवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था, प्रशासनिक निगरानी और बेहतर प्रबंधों के बीच शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न हो गई। दो दिनों तक चली इस परीक्षा में जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर कुल 12,793 अभ्यर्थियों को परीक्षा देनी थी, जिनमें से 10,787 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 2,006 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। कुल उपस्थिति 84.32 प्रतिशत दर्ज की गई।

मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुरूप जिला प्रशासन ने परीक्षा को निष्पक्ष एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए व्यापक इंतजाम किए थे। उपायुक्त अनुपमा अंजली स्वयं पूरे समय परीक्षा व्यवस्था पर नजर बनाए रहीं और कंट्रोल रूम के माध्यम से पल-पल की जानकारी लेती रहीं। नारनौल के एसडीएम अनिरुद्ध यादव तथा महेंद्रगढ़ के एसडीएम योगेश सैनी अपने-अपने क्षेत्रों में नोडल अधिकारी के रूप में तैनात रहे, जबकि जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी निर्मल नागर ओवरऑल इंचार्ज रहे। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. विश्वेश्वर कौशिक के नेतृत्व में शिक्षा विभाग ने परीक्षा संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नारनौल। चेकिंग के चलते बालों के रबर उतरवाने उपरांत व परीक्षा केंद्र में प्रवेश का इंतजार करते हुए। फोटो : हरिभूमि

रखी गई विशेष सुविधा

अभ्यर्थियों की सुविधा का भी विशेष ध्यान रखा गया। जिला प्रशासन ने परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने के लिए बसों के विशेष रूट निर्धारित किए, जिससे दूर-दराज से आने वाले परीक्षार्थियों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, बैठने की व्यवस्था तथा अन्य मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गईं। बेहतर व्यवस्थाओं के चलते अभ्यर्थियों ने भी प्रशासन के प्रयासों की सराहना की। परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए विभिन्न स्तरों के उड़नदस्ते पूरे समय सक्रिय रहे। उपायुक्त, एसडीएम, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला प्रश्नपत्र उड़नदस्ता तथा डीएसई हरियाणा की टीमों ने लगातार परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। रविवार को लेवल-1 और लेवल-2 दोनों परीक्षाओं में किसी भी केंद्र पर अनुचित साधन (यूएमसी) का एक भी मामला सामने नहीं आया। सभी उड़नदस्तों ने अपनी रिपोर्ट में परीक्षा को पूरी तरह शांतिपूर्ण बताया। दोनों लेवल में नकल (यूएमसी) का एक भी मामला दर्ज नहीं हुआ तथा सभी केंद्रों पर परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण रही।

केंद्रों पर था सुरक्षा पहरा

परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। केंद्रों के बाहर और भीतर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। अभ्यर्थियों की प्रवेश से पहले गहन जांच की गई। पहचान पत्रों का मिलान, फ्रिस्किंग, प्रतिबंधित सामग्री की जांच तथा बोर्ड के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन कराया गया। परीक्षा केंद्रों के आसपास अनावश्यक भीड़ को भी नियंत्रित रखा गया, जिससे शांतिपूर्ण वातावरण में परीक्षा संपन्न हो सकी।

खबर संक्षेप

आज अटेली आएंगे राव नरेंद्र सिंह

मंडी अटेली। ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति के बाद कांग्रेस संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से 6 जुलाई को अटेली में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जा रही है। यह बैठक सुबह 10 बजे अटेली मंडी रोड़ स्थित आशीर्वाद गार्डन में होगी। कार्यक्रम का आयोजन अटेली ब्लॉक अध्यक्ष सुमेर सिंह प्रधान के नेतृत्व में किया जा रहा है। बैठक में हरियाणा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। उनके साथ जिला अध्यक्ष सत्यवीर झूकिया भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

बिजली बिल शिकायत शिविर कल

नारनौल। बिजली बिल से संबंधित शिकायतों के निवारण के लिए विशेष सात जुलाई को विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के अधीक्षक अभियंता जोगेंद्र हुड्डा ने बताया कि यह शिविर बिजली बोर्ड के सर्कल कार्यालय में सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे तक चलेगा, शहरी एवं ग्रामीण उपभोक्ता अपनी बिजली बिल संबंधी समस्याएं दर्ज करवा सकेंगे।

पोता गांव में भैंस चोरी, मामला दर्ज

कनीना। सदर थाना अंतर्गत आने वाले गांव पोता में एक भैंस चोरी हो गई। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। चोरी गई भैंस की अनुमानित कीमत लगभग 80000 रुपये बताई गई है। गांव पोता निवासी लोकेन्द्र सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह रात करीब 12:30 बजे बाजरे की बिजाई करके खेत से लौटा था। उस वक्त भैंस उनके प्लॉट में सुरक्षित बंधी हुई थी। जब वह सुबह चार बजे उठा, तो भैंस वहां से गायब थी। पड़ोसी के कैमरे की फुटेज चेक की। फुटेज में रात 1:20 बजे एक पिकअप गाड़ी में भैंस ले जाते हुए देखा गया।

धंसने लगा सीवर लाइन के ऊपर बनी सड़क, सात मंजिला भवन का निर्माण अब भी अटका

50 लाख की नई सीवर लाइन भी नहीं सुलझा सकी अस्पताल की समस्या

बेसमेंट में सीवर का पानी भरने से रुका है नए अस्पताल भवन का निर्माण, अब पुरानी इमरजेंसी बिल्डिंग की सुरक्षा पर भी उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरिभूमि सरोकार

जिला नागरिक अस्पताल में प्रस्तावित सात मंजिला नए अस्पताल भवन के निर्माण में सीवर व्यवस्था सबसे बड़ी बाधा बनी हुई है। जिस स्थान पर नए भवन का निर्माण होना है, वहां बेसमेंट में लगातार सीवर का गंदा पानी भरने के कारण निर्माण कार्य लंबे समय से ठप पड़ा है। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने करीब 50 मीटर लंबी नई सीवर लाइन बिछाने पर लगभग 50 लाख रुपये खर्च किए, लेकिन स्थिति में सुधार होने के बजाय अब नई सीवर लाइन के ऊपर बनी सड़क ही धंसने लगी है।

अस्पताल के बेसमेंट से लेकर अस्पताल के बाहर बनी मुख्य सड़क के बीच बनी सीवर होदी तक नई पाइप लाइन बिछाई गई थी। इस कार्य की शुरुआत 6 दिसंबर 2025 को हुई थी। पाइप लाइन के साथ दो-तीन नई होदियों का भी निर्माण कराया गया। उम्मीद थी कि इससे बेसमेंट में भरने वाले सीवर के पानी की निकासी सुचारु हो जाएगी और सात मंजिला भवन का निर्माण दोबारा शुरू हो सकेगा, लेकिन महीनों बाद भी समस्या जस की तस बनी हुई है।

स्थिति यह है कि नई सीवर लाइन के ऊपर बनाई गई टाइलों वाली सड़क कई स्थानों पर धंस गई है और टाइलें बिखरने लगी हैं। स्थानीय स्तर पर माना जा रहा है कि होदियों के आसपास खुदाई के बाद मिट्टी का पर्याप्त जमाव नहीं किया गया। बारिश के दौरान टाइलों के बीच से पानी नीचे पहुंचा, जिससे होदियों के आसपास की मिट्टी बैठ गई और सड़क धंसने लगी।

नारनौल। नई सीवर लाइन की होदी के इर्दगिर्द का धंसा एरिया। फोटो : हरिभूमि

आपातकालीन अस्पताल के लिए खतरा

चिंता की बात यह भी है कि यह नई सीवर लाइन अस्पताल के पुराने आपातकालीन भवन और ऑक्सीजन प्लांट (चैंबर) के बीच से होकर गुजरती है। ऐसे में यदि लगातार वर्षा का पानी या रिसाव जमीन के भीतर जाता रहा तो पुराने भवन की नींव पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है। इसी भवन में सिविल सर्जन कार्यालय, आईसीयू सहित कई महत्वपूर्ण वार्ड संचालित हैं, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीजों का उपचार किया जाता है। स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े इस महत्वपूर्ण संस्थान में करोड़ों रुपये की लागत से बनने वाले सात मंजिला भवन का निर्माण पहले ही सीवर समस्या के कारण अधर में लटका हुआ है। अब नई सीवर लाइन के धंसने से निर्माण कार्य दोबारा शुरू होने की उम्मीद भी कमजोर पड़ती नजर आ रही है।

उठे रहे सवाल

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब महज 50 मीटर लंबी सीवर लाइन पर लगभग 50 लाख रुपये खर्च किए जा चुके हैं, तब भी मूल समस्या का समाधान क्यों नहीं हो सका? उल्टा नई लाइन और उसके ऊपर बनी सड़क की मरम्मत पर अब दोबारा सरकारी धन खर्च करना पड़ेगा। ऐसे में निर्माण कार्य की गुणवत्ता और तकनीकी निगरानी पर भी सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि संबंधित विभाग को पूरे प्रकरण की तकनीकी जांच कराते हुए स्थायी समाधान सुनिश्चित करना चाहिए, ताकि सात मंजिला अस्पताल भवन का निर्माण जल्द शुरू हो सके और भविष्य में सरकारी धन की पुनरावृत्ति से बचा जा सके।

खाटूश्यामजी व हरिद्वार जाने के लिए नारनौल ठहरेगी ट्रेन

- वेरावल व हरिद्वार के बीच चलेगी विशेष किराये पर समर स्पेशल ट्रेन
- शेखावाटी क्षेत्र के साथ नारनौल अटेली व रेवाड़ी क्षेत्र के यात्रियों को भी सीधी रेल सुविधा मिलेगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

खाटूश्यामजी व हरिद्वार जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए अच्छी खबर है। पश्चिम रेलवे के भावनगर मंडल ने जुलाई के दौरान वेरावल व हरिद्वार के बीच विशेष किराये पर समर स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन रींगस (खाटूश्यामजी) होते हुए संचालित होगी, जिससे शेखावाटी क्षेत्र के साथ-साथ नारनौल, अटेली और रेवाड़ी क्षेत्र के यात्रियों को भी सीधी रेल सुविधा मिलेगी। दैनिक रेलयात्री जागरूक मंच नारनौल-अटेली ने लंबे समय से इस रूट पर विशेष ट्रेन चलाने की मांग रेलवे बोर्ड के समक्ष उठाई थी। रेलवे बोर्ड की ओर से इस मांग पर सकारात्मक निर्णय लेते हुए जुलाई माह में स्पेशल ट्रेन संचालित करने की मंजूरी दी गई है। रेलवे के अनुसार ट्रेन संख्या 09203 वेरावल-हरिद्वार स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को वेरावल से दोपहर 4:05 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन सात, 14, 21 और 28 जुलाई को संचालित होगी। वहीं ट्रेन संख्या 09204 हरिद्वार-वेरावल स्पेशल प्रत्येक बुधवार रात 9:30 बजे हरिद्वार से रवाना होगी। इसका संचालन आठ, 15, 22 और 29 जुलाई 2026 को किया जाएगा। रेलवे ने बताया कि ट्रेन में यात्रियों की सुविधा के लिए थर्ड एसी, स्लीपर और जनरल श्रेणी के कोच लगाए जाएंगे। ट्रेन संख्या 09203 की टिकट बुकिंग शुरू हो चुकी है। रेलवे ने यात्रियों से समय रहते आरक्षण कराने की अपील की है, क्योंकि स्पेशल ट्रेन में सीटों की संख्या सीमित रहेगी।

यहां पर होगा ठहराव

यह स्पेशल ट्रेन जूनागढ़, जेतलसर, ढसा, धोला, बोटाद, धंधुका, धौलका, गांधीग्राम, मेहसाणा, पालनपुर, आबूरोड, फालना, मारवाड़ जंक्शन, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़, फुलेरा, रींगस, श्रीमाधोपुर, नीम का थाना, नारनौल, अटेली, रेवाड़ी, गुड़गांव, दिल्ली, गाजियाबाद, मेरठ, मुजफ्फरनगर और रुड़की सहित कई प्रमुख स्टेशनों पर ठहरेगी। रींगस स्टेशन खाटूश्यामजी धाम का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन होने के कारण इस ट्रेन से बाबा श्याम के श्रद्धालुओं को सीधा लाभ मिलेगा। साथ ही हरिद्वार जाने वाले यात्रियों के लिए भी यह ट्रेन सुविधाजनक विकल्प साबित होगी।

डीएफसी रेलवे ट्रैक पर मालगाड़ी की चपेट में आने से पेंटर की जान गई

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

दिल्ली-मुंबई डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) रेलवे लाइन पर शनिवार को मालगाड़ी की चपेट में आने से राजस्थान निवासी एक पेंटर की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर जीआरपी चौकी नारनौल पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की।

पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान राजस्थान के सीकर जिले के गांव डाबला निवासी 47 वर्षीय धर्मेंद्र कुमार के रूप में हुई है। वह पेशे से पेंटर था और रंगाई-पुताई के कार्य के सिलसिले में महेंद्रगढ़ क्षेत्र के गांव बसीरपुर आया हुआ था। शनिवार को किसी काम से रेलवे लाइन पार करते समय वह दिल्ली-मुंबई डीएफसी कॉरिडोर पर गुजर रही मालगाड़ी की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद जीआरपी ने मौके का निरीक्षण कर शव को नागरिक अस्पताल भिजवाया। मृतक की पहचान उसके पास मिले दस्तावेजों के आधार पर की गई, जिसके बाद परिजनों को सूचना दी गई। परिजनों के नारनौल पहुंचने पर उनके बयान दर्ज किए गए। कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया गया और शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया।

दिनदहाड़े आभूषण चोरी का मामला, आरोपित काबू

हरिभूमि न्यूज ⏭ कनीना

थाना शहर क्षेत्र में दिनदहाड़े हुई सोने के आभूषण चोरी की घटना का कुछ ही समय में सफलतापूर्वक सुलझाया गया। पुलिस ने मामले में दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि चार जुलाई शाम लगभग 7:30 बजे थाना शहर कनीना में वार्ड नंबर-तीन निवासी महिला ने घर से दो जुलाई को सोने के आभूषण चोरी होने संबंधी शिकायत दी थी। शिकायत मिलते ही पुलिस ने बिना देरी किए तुरंत कार्रवाई शुरू की। पुलिस टीम ने तकनीकी एवं मानवीय सूचना के आधार पर त्वरित जांच करते हुए कुछ ही समय में दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल आरोपितों से गहन पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि उनका किसी अन्य आपराधिक घटना में कोई संबंध तो नहीं है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

कनीना। पुलिस गिरफ्त में आरोपित। फोटो : हरिभूमि

उनिंदा में लाखों के सहयोग से मजबूत हुआ धर्मशाला निर्माण

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

अटेली क्षेत्र के गांव उनिंदा में रविवार को यादव महासभा अटेली का भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम का आयोजन गांव के गणमान्य लोगों के नेतृत्व में स्थानीय धर्मशाला में किया गया जहां गांव के प्रबुद्ध नागरिकों ने एकत्रित होकर महासभा के सदस्यों का गर्मजोशी से अभिनंदन किया। इस मौके पर महासभा के प्रधान विकास यादव ने उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए संगठन की गतिविधियों और उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विशेष रूप से यादव धर्मशाला निर्माण के लिए ग्रामवासियों से बढ़-चढ़कर सहयोग करने की अपील की। उनके आह्वान पर ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक आर्थिक सहयोग दिया। कार्यक्रम के उपरांत महासभा के सदस्यों एवं स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों दीपक कुमार, प्रिंसिपल बाबूलाल यादव, होशियार सिंह, विजयपाल और हीरा सिंह सहित अन्य ने गांव में डोर-टू-डोर अभियान चलाया।

मंडी अटेली। यादव महासभा अटेली सदस्यता ग्रहण करते हुए। फोटो : हरिभूमि

डायट प्राचार्य ने जारी किया ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता का शेड्यूल

संसदीय कार्य मंत्रालय के सहयोग से जिले में सजेगी युवाओं की संसद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और संसदीय प्रक्रियाओं से नई पीढ़ी को रूबरू कराने के लिए जिला में ब्लॉक स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता का बिगुल फूंक दिया गया है। कार्यालय प्राचार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) महेंद्रगढ़ की ओर से इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी कर दिए गए हैं। यह प्रतियोगिता संसदीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार (नई दिल्ली) के विशेष सहयोग और एससीईआरटी हरियाणा, गुरुग्राम के जनसंख्या शिक्षा विभाग के दिशा-निर्देशों के तहत आयोजित की जा रही है, जिसके लिए जिले के सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को पुख्ता तैयारियां करने के निर्देश दिए गए हैं।

5 ब्लॉकों के 25 स्कूलों में होगा मुकाबला

जारी शेड्यूल के अनुसार जिले में यह प्रतियोगिता आगामी 20 जुलाई से 24 जुलाई 2026 तक लगातार पांच दिनों तक चलेगी। इसके लिए जिला महेंद्रगढ़ के पांच प्रमुख खंड अटेली, महेंद्रगढ़, कनीना, नांगल चौधरी और नारनौल के कुल 25 राजकीय विद्यालयों का चयन किया गया है, जहां छात्र अपनी तार्किक क्षमता और विधायी कौशल का प्रदर्शन करेंगे। प्रत्येक खंड में पांच-पांच स्कूलों को शामिल कर विस्तृत समय-सारणी तय की गई है।

ड्यूटी के लिए शिक्षक रहेंगे अपने मूल स्कूलों से कार्यभार मुक्त

डायट प्राचार्य ने पत्र संख्या 32 के माध्यम से प्रशासनिक आदेश जारी करते हुए कहा है कि जिन प्राध्यापकों की ड्यूटी इस प्रतियोगिता में बतौर निर्णायक लगाई गई है, वे इस दौरान पूरी तरह से प्रतियोगिता को संपन्न कराने में सहयोग करेंगे। इसके लिए उन्हें 20 से 24 जुलाई 2026 तक उनके मूल शिक्षण संस्थानों से कार्यभार मुक्त (रिलीव) माना जाएगा। आदेश में साफ किया गया है कि और डॉ संजय शर्मा अकबरपुर, नागेंद्र कुमार नारनौल, प्रवक्ता मंजू कनीना, राजेश कुमार अटेली जैसे वरिष्ठ शिक्षक संबंधित विद्यालयों में समय पर उपस्थित होकर अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे। इस पूरे कार्यक्रम की निगरानी स्वयं जिला शिक्षा अधिकारी नारनौल और एससीईआरटी हरियाणा की टीम करेगी।

वरिष्ठ प्रवक्ताओं को सौंपी निर्णायक मंडल की कमान

प्रतियोगिता को निष्पक्ष और सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए शिक्षा विभाग ने कड़ा रुख अपनाते हुए अनुभवी प्राध्यापकों का एक विशेष निर्णायक मंडल तैयार किया है। इस टीम में जिले के विभिन्न विद्यालयों से राजनीति विज्ञान के वरिष्ठ प्रवक्ताओं को शामिल किया गया है। नारनौल खंड के लिए प्रवक्ता डॉ संजय शर्मा, जितेन्द्र यादव और डायट प्रवक्ता प्रदीप यादव, अटेली खंड के लिए डॉ. किरण यादव व डॉ. विधि यादव, महेंद्रगढ़ के लिए डॉ. नरेश कुमार व अरुण कुमार, कनीना खंड के लिए डॉ. राकेश कुमार व सरयोगिता, नांगल चौधरी के लिए राजेश जाखड़ व दिनेश कुमार सहित कई विशेषज्ञों को जज की भूमिका सौंपी गई है।

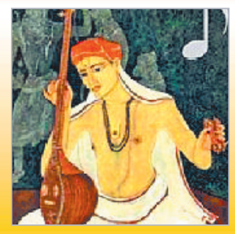

रागों के नाम पर गांव

हरियाणा में राग परंपरा, जिसे लोकगीतों के रूप में भी जाना जाता है, का एक समृद्ध इतिहास है। यहां तक कि कस्बों के नाम भी पारंपरिक रागों से लिए गए हैं। दादरी तहसील में कई बस्तियों के नाम प्रसिद्ध रागों से जुड़े हैं। इनमें नंदयम, सारंगपुर, बिलावाला, बृंदाबाना, टोडी, असावेरी, जयश्री, मलकोष्णा, हिंडोला, भैरवी और गोपी कल्याण आदि शामिल हैं। वहीं, जींद जिले में जय जय वंती, मालवी और अन्य संस्थाएं पाई जा सकती हैं।

प्रेम विवाह से बिखरता सामाजिक और पारिवारिक प्रेम

पुराने समय से ही एक गांव या गोत्र के लोगों को आपस में भाई-बहन माना जाता रहा है ताकि एक ही गोत्र में शादी न हो। आज दुनिया का आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी हमारे पूर्वजों की इस सोच को पूरी तरह सही मानता है।

मंथन

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

भारत की आत्मा इसके गांवों में बसती है। इस सन्दर्भ में बात जब हरियाणा की हो तो हम पाते हैं कि यहां का समाज भाईचारे और सामूहिक सोच की एक बहुत मजबूत डोर है। आज वैश्वीकरण और महानगरों की अंधी दौड़ ने इस पुराने सामाजिक ताने-बाने को भीतर तक हिला दिया है। इसका सबसे बड़ा और विवादित रूप प्रेम विवाह के रूप में सामने आ रहा है। आज की युवा पीढ़ी इसे अपनी आज़ादी और संवैधानिक अधिकार मानती है, जबकि गांव के बुजुर्ग और माता-पिता इस बदलाव से बहुत डरे हुए तथा लाचार प्रतीत होते हैं।

यह सिर्फ दो पीढ़ियों की सोच का अंतर नहीं है, बल्कि पुरानी मर्यादाओं और आधुनिकता के बीच का वह टकराव है, जिसकी वजह से ग्रामीण समाज एक गहरी मानसिक चिंता में है। हमारे समाज में अप्रत्याशित सकारात्मक बदलाव हुए हैं। जो बेटियां कल तक घर के चौके-चूल्हे तक सीमित थीं, वे आज बड़े विश्वविद्यालयों में पढ़ रही हैं। माता-पिता अपनी जिंदगी भर की कमाई और जमीन-जायदाद दांव पर लगाकर बच्चों को इस उम्मीद से बाहर भेजते हैं कि वे समाज में उनका नाम रोशन करेंगे। इसी के साथ उन माता-पिता के दिलों में एक गहरा डर भी बैठ गया है। हर उस पिता की रातें बेचैनी में कटती हैं जिसके बच्चे शहर में पढ़ रहे हैं। उन्हें हर पल यह डर सताता है कि कहीं उनके बच्चे शहर की चकाचौंध में बहकर कोई ऐसा कदम न उठा लें, जिससे सदियों पुराना पारिवारिक सम्मान एक झटके में खत्म हो जाए। जब कोई बच्चा परिवार की मर्जी और सामाजिक मर्यादाओं के खिलाफ जाकर अपनी मर्जी से जीवनसाथी चुनता है तो इसका सबसे बड़ा दुख उन बूढ़े माता-पिता को होता है जिन्होंने उसे उंगली पकड़कर चलना सिखाया था। इस पूरी स्थिति का एक दूसरा पहलू भी है जिसे समझना बहुत जरूरी है। जहां पुराना समाज सामूहिक सोच को सबसे ऊपर रखता है, वहीं आज की आधुनिक शिक्षा प्राप्त युवा पीढ़ी अपनी व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अधिकारों को जीवन का आधार मानती है। हमारा संविधान भी सबको अपनी पसंद से जीने और जीवनसाथी चुनने का हक देता है। आज का युवा वर्ग जाति-पाति, भारी दहेज प्रथा और जबरदस्ती थोपे गए बेमेल विवाह जैसी पुरानी कुरीतियों से आज़ाद होना चाहता है। उनके लिए शादी सिर्फ दो परिवारों का समझौता नहीं, बल्कि दो लोगों के विचारों का मिलना है। कई बार जब युवा देखते हैं कि पारंपरिक शादियों में भी महिलाओं को दहेज या घरेलू हिंसा का शिकार होना पड़ता है तो वे अपनी पसंद की शादी की तरफ ज्यादा झुकते हैं। इसलिए उनके इस कदम को सिर्फ मनमानी कहना गलत होगा क्योंकि यह कई बार समाज की रूढ़िवादी सोच के खिलाफ एक शांतिपूर्ण विद्रोह भी होता है। इस आधुनिकता में एक बहुत बड़ा और अजीब विरोधाभास भी है। हरियाणा के गांवों में अपनी सीमा और गोत्र में शादी न करने का नियम केवल कोई अंधविश्वास या रूढ़िवादी परंपरा नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक बहुत ही मजबूत वैज्ञानिक आधार है। पुराने समय से ही एक गांव या एक गोत्र के लोगों को आपस में भाई-बहन माना जाता रहा है ताकि एक ही गोत्र में शादी न हो। आज दुनिया का आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी हमारे पूर्वजों की इस सोच को पूरी तरह सही मानता है।

2013 में नेचर रिव्यूज जेनेटिक्स और 2019 में द लैंसेट जैसी प्रतिष्ठित पत्रिकाओं की रिपोर्ट भी यह पुष्ट करती हैं कि खून के रिश्तों में शादी करने वाले समुदायों में ऑटोसॉमल रिसेसिव विकारों का स्तर बहुत ज्यादा होता है, जो बच्चों में गंभीर शारीरिक और मानसिक विकलांगता का कारण बनता है। इसलिए गोत्र बदलकर शादी करना कोई पिछड़ापन नहीं, बल्कि आनुवंशिक विविधता को बचाकर बच्चों को गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने का एक परखा हुआ वैज्ञानिक तरीका है। जब कोई युवा इस वैज्ञानिक सत्य को दरकिनार कर अपने ही गांव या गोत्र में शादी करता है तो यह केवल एक सामाजिक नियम का टूटना नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ी की सेहत से खिलवाड़ और पूरे गांव के विश्वास की हत्या मानी जाती है। यह परिवार के लिए एक ऐसा मानसिक दुख बन जाता है, जहां वे समाज को यह नहीं समझा पाते कि जिस रिश्ते को कल तक भाई-बहन माना जाता था, वह अचानक पति-पत्नी कैसे बन गया। इस सामाजिक भूचाल के पीछे गहरा आर्थिक कारण भी है।

खेती पर निर्भरता घटने और बड़े शहरों के विकसित होने से युवा काम की तलाश में तेजी से शहरों की तरफ गए हैं। पढ़-लिखकर अपने पैरों पर खड़े होने के बाद वे खुद को पारिवारिक बंधनों से आज़ाद समझने लगते हैं। शहर के अनाम माहौल में, जहां कोई किसी की जाति या गांव नहीं पूछता, युवाओं के लिए गोत्र या गांव के भाईचारे की दीवारें बेमानी हो जाती हैं और उनकी अपनी पसंद ही सबसे बड़ी हो जाती है। इस टकराव के कारण कई बार सम्मान के नाम पर हत्या यानी ऑनर किलिंग जैसी दुखद घटनाएं भी सामने आती हैं। किसी भी मनुष्य की जान लेना पूरी तरह से अनुचित और अमानवीय अपराध है। पुराने समय में खाप पंचायतों ने समाज को जोड़े रखने का काम किया था, लेकिन बदलते समय में उनके कुछ कड़े फैसलों और सामाजिक बहिष्कार जैसे कदमों से उनकी छवि प्रभावित हुई है। हालांकि राहत की बात यह है कि अब कई समझदार खाप पंचायतें भी अपनी सोच में लचीलापन ला रही हैं और गांव या गोत्र की मर्यादा न टूटने की शर्त पर अंतर-जातीय विवाहों को धीरे-धीरे स्वीकार करने लगी हैं। आज स्थिति यह है कि अपनी मर्जी से शादी करने वाले बच्चे अपने ही माता-पिता से जान का खतरा बताकर कोर्ट में सुरक्षा मांगते हैं। वहीं दूसरी तरफ, झूठी प्रतिष्ठा की आड़ में माता-पिता या भाइयों द्वारा अपने ही बच्चों की जान लेने की घटनाएं समाज को शर्मसार कर रही हैं। सरकारें और कानून प्रेम विवाह करने वालों को पुलिस सुरक्षा, आश्रय और आर्थिक मदद दे रहे हैं। कानून की नजर में यह अधिकारों की रक्षा हो सकती है, लेकिन समाज के उन लाचार माता-पिता की स्थिति कोई नहीं देखता, जिनका बच्चा रातों-रात पुलिस के साए में घर छोड़कर चला गया। व्यवस्था को ऑनर किलिंग की चिंता है, लेकिन उस सोशल किलिंग या सामाजिक मृत्यु का क्या, जो हर दिन उन बेबस माता-पिता की होती है? वे समाज के तानों और तिरस्कार के बीच जीते हैं, जो किसी भी शारीरिक मृत्यु से कहीं ज्यादा क्रूर और अंतहीन है।

भारतीय परिवेश में माता-पिता की सबसे बड़ी पूंजी उनके बच्चों के संस्कार होते हैं। जब संतान उनके जीवन भर के त्याग और ममता को भुलाकर पल भर के आकर्षण को प्यार का नाम देकर विद्रोह कर देती है तो माता-पिता को लगता है कि उनकी पूरी जिंदगी और उनकी परवरिश ही असफल हो गई।

भारतीय परिवेश में माता-पिता की सबसे बड़ी पूंजी उनके बच्चों के संस्कार होते हैं। जब संतान उनके जीवन भर के त्याग और ममता को भुलाकर पल भर के आकर्षण को प्यार का नाम देकर विद्रोह कर देती है तो माता-पिता को लगता है कि उनकी पूरी जिंदगी और उनकी परवरिश ही असफल हो गई। यह शर्मिंदगी सिर्फ झूठे अहंकार की नहीं होती, बल्कि यह एक गहरा अपराध बोध होता है कि वे अपने बच्चे को अच्छे संस्कार देने में नाकाम रहे। यह मानसिक प्रताड़ना किसी भी शारीरिक चोट से ज्यादा जानलेवा होती है।भारतीय संस्कृति कभी प्रेम के खिलाफ नहीं रही है। हमारी परंपरा में राधा-कृष्ण और शिव-पार्वती के अलौकिक प्रेम को पूजा जाता है। हमारे समाज में प्रेम का आधार हमेशा त्याग, संयम, जिम्मेदारी और पूरे परिवार को साथ लेकर चलना रहा है। लेकिन आज आधुनिकता, रील संस्कृति और सोशल मीडिया के प्रभाव में जिसे प्रेम कहा जा रहा है, वह ज्यादातर सिर्फ एक क्षणिक शारीरिक आकर्षण और मानसिक अपरिपक्वता का छलावा है। जब कुछ महीनों या सालों में यह आकर्षण खत्म होता है और जीवन की असली चुनौतियाँ तथा आर्थिक तंगी सामने आती है तो ऐसे विवाह अक्सर घरेलू हिंसा, आपसी नफरत, तलाक और वीभत्स अपराधों में बदल जाते हैं। तब उन युवाओं के पास न तो समाज का सहारा बचता है और न ही वे माता-पिता को मुँह दिखाने लायक रहते हैं।इस सामाजिक जटिलता का हल केवल कानून के डंडे या खाप के कड़े बहिष्कारों से नहीं निकल सकता। इसके लिए सभी पक्षों को मिलकर बीच का रास्ता खोजना होगा। माता-पिता को बच्चों पर अपनी मर्जी थोपने के बजाय उनके साथ मित्रवत संवाद स्थापित करना होगा और मार्गदर्शक बनना होगा। युवाओं को भी यह समझना चाहिए कि स्वतंत्रता का अर्थ उच्छृंखलता नहीं है।

क्षण भर के आकर्षण के लिए अपने जन्म देने वाले माता-पिता को समाज के तानों के बीच घुट-घुट कर मरने के लिए छोड़ देना कहीं से भी न्यायसंगत नहीं है। उन्हें भागने के बजाय धैर्यपूर्वक अपने माता-पिता को विश्वास में लेने का परिपक्व प्रयास करना चाहिए। खाप और चौपालों को भी बदलते समय के साथ युवाओं और माता-पिता के बीच बातचीत का पुल बनना चाहिए। सरकारों को 'सेफ हाउस' बनाने के साथ-साथ व्यापक स्तर पर पारिवारिक और सामाजिक काउंसलिंग पर भी ध्यान देना चाहिए। जब तक हम अपनी जड़ों, अपने भाईचारे और अपने संस्कारों का संरक्षण एक आधुनिक और लचीले दृष्टिकोण के साथ नहीं करेंगे, तब तक यह आधुनिकता खोखली ही रहेगी। हरियाणा ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण भारत की वास्तविक सामाजिक और सांस्कृतिक सुंदरता तभी सुरक्षित रह सकती है जब यहाँ की चौपालों का गौरवशाली भाईचारा, परिवारों की मर्यादाएं और नई पीढ़ी के सपने, सब एक साथ मिलकर सुरक्षित रहेंगी।

ग़ज़ल

सत्यवीर नाहड़िया

साच कहण का टाळा

साच कहण का टाळा होग्या।
लोकलाज का गाळा होग्या।।

काक्का-ताऊ भाई पाच्छै,
सभतै आग्गै साळा होग्या।।

पिछली बरियाँ बाढ़ लूट ग्यी,
इबकै बैरी पाळा होग्या।।

काल्य तलक थी निरमल नदिया,
इब तै गंदा नाळा होग्या।।

सह्या नहीं जा-कह्या नहीं जा,
इसा ज्यान नै फाळा होग्या।।

तेराह ताळी भोत सुणी थी,
पर इब तेराह ताळा होग्या।।

पूत पीटते मात-पिता नै,
कळजुग कितणा काळा होग्या।।

नहीं नजर म्हैं दया-धरम सै,
इसा आँख्य म्हैं जाळा होग्या।।

बेईमान नहीं वो नेता,
कह 'नाहड़िया' चाळा [redacted]ग्या।।

कविता

भूपसिंह भारती

करो योग का नेम बावले

निकला जासै टेम बावले।
करो योग का नेम बावले।।

सुबह सबेरै उठ रोजाना,
खेल योग का गेम बावले।

बिना योग हो रोग भतेरे,
फेर करै तू क्लेम बावले।

फाइल फिरैगी दफ्तरां म्ह,
घणा करैगा ब्लेम बावले।

खांसी दमा बिमारी मेंटे,
योग मेट दे भ्हेम बावले।

काया दमकै योग कराँ तै,
रहैगी कुशलछेम बावले।

इब योग दुनिया म्ह छाया,
मिलै योग तै फेम बावले।

कहै 'भारती' योग कराकर,
फेर मिलै हूर सी मेम बावले।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

कर्मभूमि

कुरुक्षेत्र की पावन स्थली पर भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को दिया था श्रीमद्भगवद्गीता का उपदेश

हरियाणा : शौर्य, स्वाभिमान और बलिदान का जीवंत शिलालेख

शौर्य गाथा

अंकुर शर्मा

हरियाणा महज़ एक राज्य का नाम नहीं है, बल्कि यह शौर्य, स्वाभिमान, त्याग और बलिदान का एक जीवंत शिलालेख है। यह एक कृषि प्रधान प्रदेश होने के साथ-साथ वीरों की जननी और धर्मरक्षकों की कर्मभूमि है। उत्तर-पश्चिम से आने वाले हर विदेशी आक्रांता को दिल्ली पहुंचने से पहले हरियाणा की माटी और यहां के वीरों के फौलादी सीनों से टकराना पड़ा। इस धरती की पहचान उसके खेतों से जितनी है, उतनी ही उसके रणबांकुरों से भी है। यहाँ हल की फाल और तलवार की धार, दोनों को समान आदर के साथ पूजा जाता है। हरियाणा का इतिहास वस्तुतः भारत की रक्षा का इतिहास है और यहां की वीर गाथाएं भारतीय उपमहाद्वीप के स्वाभिमान की धुरी रही हैं।

हरियाणा की शूरवीरता की जड़ें अत्यंत गहरी और पौराणिक हैं, जिसका सूत्रपात महाभारतकालीन कुरुक्षेत्र से होता है। कुरुक्षेत्र का मैदान केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि न्याय, धर्म और कर्म का सबसे बड़ा दार्शनिक केंद्र है। इसी धर्मभूमि पर महाभारत का महासमर लड़ा गया, जहां भीष्म पितामह के व्रत, कर्ण के पराक्रम, अभिमन्यु के अद्वितीय बलिदान तथा अर्जुन के शौर्य ने वीरता की अमिट मिसालें स्थापित कीं। यहीं भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को श्रीमद्भगवद्गीता का उपदेश दिया गया, जो अन्याय के विरुद्ध

शस्त्र उठाने और फल की इच्छा से मुक्त होकर कर्तव्य-पथ पर डटे रहने का सबसे बड़ा दार्शनिक उपदेश है। मध्यकाल में विदेशी आक्रमणों के विरुद्ध संघर्ष ने हरियाणा की वीरता को नई पहचान दी। इतिहास गवाह है कि दिल्ली के तख्त के भाग्य का फैसला हमेशा हरियाणा के मैदानों, विशेषकर पानीपत और तराईन में हुआ। तराईन के युद्धों में पृथ्वीराज चौहान के नेतृत्व में यहां के योद्धाओं ने अदम्य साहस का परिचय दिया। रेवाड़ी के वीर सपूत हेमचंद्र विक्रमादित्य (हेमू) इस परंपरा के सबसे तेजस्वी नक्षत्र हैं। एक साधारण परिवार में जन्म लेकर उन्होंने अपने अदम्य साहस से दिल्ली के सिंहासन तक का सफर तय किया और 1556 के द्वितीय पानीपत युद्ध में अंतिम क्षण तक रणभूमि में डटे रहे। इसी तरह हसन ख़ाँ मेवाती जैसे योद्धाओं ने खानवा के युद्ध में राणा साँगा के साथ मिलकर विदेशी सत्ता का सामना किया, जो यह सिद्ध करता है कि यहां की वीरता जाति या संप्रदाय से ऊपर उठकर मातृभूमि को समर्पित रही है। मुगल काल में औरंगजेब की क्रूर नीतियों के खिलाफ तिलपत के गोकुला जाट के नेतृत्व में किसानों का विद्रोह इस बात का प्रमाण है कि यहां का सामान्य कृषक भी समय आने पर अपना हल छोड़कर खड्ग उठाने में संकोच नहीं करता। जब 1857 में भारत ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ प्रथम स्वाधीनता संग्राम का बिगुल फूंका तो उसकी पहली चिंगारी 10 मई को मेरठ से भी कुछ घंटे पूर्व अम्बाला छावनी में सुलग चुकी थी। इस महासंग्राम में हरियाणा के रजवाड़ों और आम जनता ने मिलकर अभूतपूर्व वीरता का प्रदर्शन किया। अहीरवाल क्षेत्र में राव तुलाराम ने अंग्रेजों की विशाल सेना को नाकों चने चबवा दिए। बल्लभगढ़ के राजा नाहर सिंह, झज्जर के नवाब अब्दुर रहमान खान और फर्रुखनगर के नवाब अहमद अली गुलाम खान जैसे देशभक्तों ने हंसते-हंसते फाँसी के फंदे चूम लिए, परंतु गुलामी स्वीकार नहीं की। हिसार, हांसी और रोहतक के गांवों में साधारण किसानों ने अपने पारंपरिक हथियारों से तोपों का सामना किया। इस दौरान हजारों गांव जला दिए गए, अनगिनत युवाओं को सरेआम पेड़ों से लटका कर फांसी दे दी गई लेकिन हरियाणा का स्वाभिमान नहीं झुका। आधुनिक सैन्य इतिहास में भी हरियाणा का योगदान अतुलनीय है। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध से लेकर आजादी के बाद के हर संघर्ष में यहां के सैनिकों ने शहादत दी है।

1962 के भारत-चीन युद्ध में रेजांगला की बर्फीली चोटियों पर मेजर शैतान सिंह के नेतृत्व में 13 कुमाऊं रेजिमेंट की अहीर कंपनी के 114 जवानों ने आखिरी गोली और आखिरी सांस तक लड़कर हजारों चीनी सैनिकों को रोके रखा। 1965, 1971 और कारगिल युद्ध में भी इस प्रदेश के सैनिकों ने अद्भुत साहस का परिचय दिया, जिसमें परमवीर चक्र से सम्मानित मेजर होशियार सिंह का शौर्य सैन्य इतिहास का गौरवपूर्ण अध्याय है। यही कारण है कि आज भी भारतीय सशस्त्र बलों में हर दसवां सैनिक इसी माटी का है और सैनिक का सम्मान यहां की सामाजिक परंपरा का अभिन्न हिस्सा है।हरियाणा की वीर गाथाओं को कालजयी बनाने का काम यहाँ की समृद्ध लोक-संस्कृति, साँग परंपरा और हरियाणवी लोकगीतों ने किया है। इन लोकगीतों का दार्शनिक विवेचन स्पष्ट करता है कि इनमें केवल युद्ध का वर्णन नहीं है,

इतिहास गवाह है कि दिल्ली के तख्त के भाग्य का फैसला हमेशा हरियाणा के मैदानों, विशेषकर पानीपत और तराईन में हुआ। तराईन के युद्ध में पृथ्वीराज चौहान के नेतृत्व में यहां के योद्धाओं ने अदम्य साहस का परिचय दिया।

बल्कि मातृभूमि के प्रति प्रेम और कर्तव्यनिष्ठा का एक गहरा जीवन-दर्शन छिपा है। इन वीर गाथाओं के साहित्यिक संरक्षण के लिए यह आवश्यक है कि ऐतिहासिक दस्तावेजों और मूल पांडुलिपियों का ही आश्रय लिया जाए। हरियाणा की वीर गाथाएं केवल इतिहास की किताबों में दर्ज अतीत का गौरव नहीं हैं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत हैं। वे यहाँ के लोक-जीवन, खेतों, अखाड़ों और रागिनियों में धड़कती हुई जीवंत परंपराएं हैं। कुरुक्षेत्र के धर्मयुद्ध से लेकर हेमू के स्वाभिमान, हसन ख़ाँ मेवाती के बलिदान, राव तुलाराम के संघर्ष और आधुनिक सेना के रणबांकुरों तक वीरता की यह अखंड परंपरा निरंतर प्रवाहित होती रही है। यह आवश्यक है कि इस गौरवशाली इतिहास को केवल स्मारकों तक सीमित न रखकर साहित्य और जनसंचार माध्यमों के द्वारा नई पीढ़ी तक पहुंचाया जाए। जब भी भारत की वीरभूमियों का स्मरण होगा, अपने रक्त से राष्ट्र की सीमाओं को सुरक्षित रखने वाली हरियाणा की इस वीर-प्रसूता भूमि का नाम सदैव अग्रिम पंक्ति में आदर के साथ लिया जाएगा।

सफलता का सबसे बड़ा मंत्र है मेहनत : रमेश मूर्ति

कलाकार

डॉ. तबस्सुम जहां

हरियाणवी रंगमंच और सिनेमा की दुनिया में कुछ ऐसे कलाकार हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत, लगन और अभिनय के प्रति समर्पण के बल पर एक अलग पहचान बनाई है। उन्हीं कलाकारों में एक नाम है रमेश मूर्ति का। लगभग 26 वर्षों से रंगमंच और अभिनय के क्षेत्र में सक्रिय रमेश मूर्ति ने अपने सशक्त अभिनय से न केवल मंच पर बल्कि हरियाणवी सिनेमा और ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म पर भी दर्शकों के बीच अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है।

'अखाड़ा', 'सांगी', 'कांड 2010', 'अग्निवीर' और 'लाइसेंस' जैसी फिल्मों व वेबसीरीज़ में उनके दमदार अभिनय को दर्शकों द्वारा खूब सराहा गया। उन्होंने 'अखाड़ा' (सीरीज़), 'बारहवीं वाला प्यार', 'कांड 2010', 'अग्निवीर', 'सांगी', 'पितरोष', 'ढाई दिन' और 'लाइसेंस' में अपनी लाजवाब अदाकारी से हरियाणवी सिनेमा मे अपनी अलग पहचान बनाई है। इसके अलावा, आने वाले प्रोजेक्ट्स में 'मिसिंग' और 'मितवा तोड़-फोड़ कंपनी' शामिल हैं। रमेश मूर्ति को रंगमंच का शौक स्कूल के समय से ही था। स्कूल में एक स्किट में इन्होंने महात्मा गांधी की भूमिका निभाई थी। बचपन में वे स्कूल से छुट्टी करके फ़िल्में और सांग देखने भी जाया करते थे। दसवीं की परीक्षा देने के बाद उन्होंने एक नाटक समूह बनाया और अनेक नाटक किए, जिन्हें परिवार के लोगों ने देखा। कहा जा सकता है कि रमेश मूर्ति की रंगमंच यात्रा उनके लिए अत्यंत प्रेरणादायक और सकारात्मक रही। इस सफ़र ने उन्हें

स्वयं को समझने का अवसर दिया और साथ ही दूसरों को भी करीब से जानने का अनुभव मिला। रमेश रंगमंच को ही अपनी दुनिया मानते हैं। वे कहते हैं, 'गांव में सांग देखते समय मेरे मन में हमेशा यह भावना आती थी कि मैं भी एक दिन ऐसा कर सकता हूं।' वहीं से रंगमंच के प्रति उनका लगाव और गहरा होता चला गया। उनके अनुसार, एक कलाकार के लिए रंगमंच ही उसका परिवार और उसकी दुनिया होता है। जब भी हम रंगमंच से जुड़ते हैं, तो हमारे भीतर एक अलग भाव पैदा होता है और दुनिया को देखने का नज़रिया बदल जाता है। उन्होंने स्टेज ऐप और सुपवा-दोनों के साथ काम किया है। इस दौरान उन्हें नए-नए लोगों से मिलने और बहुत कुछ नया सीखने का अवसर मिला। हरियाणवी सिनेमा के बारे में उनका मानना है कि वह अभी विकास के शुरुआती दौर में है (कुछ प्रोजेक्ट्स को छोड़कर)। हम जैसे कलाकारों को अभी और अधिक मेहनत करने की ज़रूरत है, ताकि हरियाणवी सिनेमा विश्व स्तर पर अपनी एक अलग पहचान बना सके। 'कांड 2010', 'सांगी' और 'अग्निवीर' में रमेश की भूमिकाएं बेहद प्रभावशाली रही हैं। अभिनय की दृष्टि से 'सांगी' फ़िल्म में नानू का किरदार और 'अखाड़ा' में वीरभान का किरदार दर्शकों को विशेष रूप से पसंद आया। अभिनय के लिहाज से ये दोनों किरदार रमेश के दिल के बहुत करीब हैं। रमेश मूर्ति ने बताया कि जब भी उन्हें कोई किरदार मिलता है, तो वह सबसे पहले निर्देशक के साथ बैठकर उस किरदार पर विस्तार से चर्चा करते हैं। इसके बाद अपने विवेक से उस पात्र की उम्र, शारीरिक बनावट, उसके परिवेश, उसकी आदतों, उसके समय और उसकी मानसिक स्थिति को समझने की कोशिश करते हैं तभी वह पूरी तैयारी के बाद उस किरदार को पर्दे पर जीवंत रूप दे पाते हैं। रमेश मूर्ति ने रंगमंच और बड़े परदे दोनो जगह काम किया है। रंगमंच और कैमरे के सामने अभिनय करने में वे कई अंतर मानते हैं। उनके अनुसार, एक कलाकार के लिए रंगमंच पर प्रस्तुति देना सबसे अधिक आनंददायक होता है, क्योंकि वहां दर्शक सामने मौजूद होते हैं। कलाकार के हर संवाद और अभिनय पर तुरंत दर्शकों की प्रतिक्रिया मिलती है, जिससे उसका उत्साह और आत्मविश्वास बढ़ता है। वहीं, कैमरे के सामने पूरी जिम्मेदारी कलाकार पर होती है। वहां तत्काल दर्शकों की प्रतिक्रिया नहीं मिलती, इसलिए कलाकार को अपने अभिनय पर पूरा भरोसा रखते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना पड़ता है। एक कलाकार के रूप में संघर्ष के दिनों ने रमेश को बहुत कुछ सिखाया, जिसे वे आज भी अपने साथ लेकर चलते हैं। उनके शब्दों में-'मुझे रंगमंच करते हुए लगभग 26 वर्ष हो चुके हैं। इस दौरान जीवन में कई उतार-चढ़ाव आए, लेकिन मैंने एक ही बात सीखी-मेहनत और लगातार संघर्ष।' वे आगे कहते हैं, 'इस सफ़र में मुझे कई तरह के लोग मिले और जीवन को करीब से समझने का अवसर मिला। रंगमंच ने मुझे सम्मान दिया और लोगों को पहचानने की समझ भी दी।' हरियाणा के रंगमंच और हरियाणवी सिनेमा की वर्तमान स्थिति के बारे में पूछने पर रमेश मूर्ति ने बताया कि हरियाणा में रंगमंच से जुड़े कलाकार बहुत अच्छा और रचनात्मक काम कर रहे हैं। नए-नए प्रयोग किए जा रहे हैं। हरियाणवी रंगमंच और सिनेमा में अपार संभावनाएं हैं और आने वाले समय में यह और अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। आजकल यथार्थ और सामाजिक मुद्दों पर आधारित फ़िल्में अधिक बन रही हैं। हरियाणवी सिनेमा में लंबे अंतराल के बाद आई 'दादा लखमी' फ़िल्म एक मील का पत्थर साबित हुई। इस फ़िल्म ने हरियाणवी सिनेमा को नई दिशा दी। इससे हरियाणवी फ़िल्मों के प्रति लोगों का नज़रिया बदला और एक सकारात्मक माहौल बना। उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स में 'मिसिंग' और 'मितवा तोड़-फोड़ कंपनी' शामिल हैं। उन्हें विश्वास है कि ये दोनों फ़िल्में दर्शकों को पसंद आएंगी और दर्शक उन्हें एक नए अंदाज़ में देखेंगे। आज के युवाओं को रमेश यही सलाह है कि वे अधिक से अधिक साहित्य पढ़ें, कविताएँ पढ़ें, नाटक पढ़ें, अच्छी फ़िल्में देखें और रंगमंच से अवश्य जुड़ें। अभिनय सीखने का सबसे अच्छा माध्यम थिएटर है। इसके साथ ही सफलता का सबसे बड़ा मंत्र है-मेहनत, मेहनत और लगातार मेहनत। इनका मानना है कि हर बच्चे और हर युवा को जीवन में कम-से-कम एक बार रंगमंच से अवश्य जुड़ना चाहिए।

एक अभिनेता के रूप में रमेश का मानना है कि किसी वास्तविक और समाज से जुड़े किरदार को रंगमंच या सिनेमा के माध्यम से दर्शकों के सामने प्रस्तुत करना एक कलाकार के लिए सबसे सुखद अनुभव होता है। ऐसी फ़िल्में केवल मनोरंजन ही नहीं करतीं, बल्कि समाज को सकारात्मक संदेश भी देती हैं। इसलिए उन्हें इस तरह की फ़िल्मों का हिस्सा बनना हमेशा अच्छा लगता है।

अमित यादव ने बनाया भारत का पहला ईंट भट्ठा लेबर प्रोवाइडिंग ऐप, परेशानियां होंगी खत्म

मुख्यमंत्री सैनी ने ऐप का किया शुभारंभ पारदर्शिता व सुरक्षा की दिशा में बड़ा कदम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा के ईंट भट्ठा उद्योग में लंबे समय से चली आ रही लेबर प्रबंधन, पेशगी सुरक्षा और श्रमिक उपलब्धता की समस्याओं के समाधान के लिए अटेली के फतेहपुर गांव के युवा भट्ठा मालिक अमित यादव ने ट्रू लेबर ऐप विकसित किया है। इस डिजिटल प्लेटफॉर्म का शुभारंभ हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा किया गया।

भट्ठा मालिकों की प्रमुख समस्या बिना रिकॉर्ड के पेशगी देना

अमित यादव ने बताया कि यह ऐप भट्ठा मालिकों, जमादारों और श्रमिकों के बीच पारदर्शिता, सुरक्षा और विश्वास बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि भट्ठा मालिकों की प्रमुख समस्या बिना रिकॉर्ड के पेशगी (एडवांस) देना रही है। एक ही जमादार द्वारा कई भट्ठों से पेशगी ले ली जाती है और सीजन के बीच में लेबर उपलब्ध नही करवाई जाती थी।

ट्रू लेबर ऐप की प्रमुख विशेषताएं

अमित यादव ने बताया कि ऐप के माध्यम से मजदूरों एवं जमादारों का डिजिटल पंजीकरण किया जाता है। यह बुकिंग की सुरक्षित प्रक्रिया है। इसमे पेशगी की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सहायता मिलती है। इसके माध्यम से भट्ठा मालिकों को बुकिंग स्टेटस देखने की सुविधा मिलती है।

धोखाधड़ी व डुप्लीकेट बुकिंग पर लगेगी रोक

यह ऐप पेशगी को अधिक सुरक्षित बनाने में सहायक है साथ ही आवश्यकता पड़ने पर लेबर उपलब्ध कराने में भी सहायता उपलब्ध करवाएगा। यह भट्ठा उद्योग में पारदर्शिता, विश्वास और जवाबदेही बढ़ाने वाला प्लेटफॉर्म साबित होगा। अमित यादव ने कहा कि भट्ठा मालिकों की मेहनत की कमाई की सुरक्षा और समय पर लेबर उपलब्ध कराना ही ऐप का मुख्य उद्देश्य है। आज के समय में पेशगी देना बंद करना संभव नहीं है, लेकिन उसे डिजिटल रूप से ट्रैक कर अधिक सुरक्षित बनाया जा सकता है। वहीं, बीच सीज़न में अधिकांश भट्ठा मालिकों के पास नई लेबर खोजने के लिए केवल तीन–चार जमादारों के ही विकल्प होते हैं। ऐप इस समस्या का समाधान देकर अधिक विकल्प, बेहतर निर्णय और सुरक्षित पेशगी सुनिश्चित करने का प्रयास करता है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस पहल को हरियाणा के युवाओं द्वारा विकसित एक सराहनीय डिजिटल नवाचार बताया।

श्री गोपाल गोशाला में गो सवामणी लगाया

नारनौल। श्री गो गोपाल प्रचार एवं असहाय सेवा संस्थान के तत्वावधान में आचार्य बजरंग शास्त्री के सानिध्य में श्री गोपाल गोशाला में गो सवामणी का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम मनीष निर्मल शास्त्री ने सुमित अग्रवाल, रचना अग्रवाल, राज कुमार, निर्मल देवी, दीपक बंसल, किरण बंसल सहित संस्था के सदस्यों से श्री गणेश जी, नवग्रह, सभी देवी देवताओं व गोमाता का पूजन करवाया। इसके उपरांत हरी सब्जी, हरा चारा सहित खल, मेथी, गुड़, सरसों, तेल, नमक आदि मिलाकर सवामणी तैयार कर गोवंश को खिलाई।

ये रहे मौजूद

संस्था के प्रधान महेंद्र नूनीवाला, राजकुमार एडवोकेट, संजय सैनी, तुलसी गोयल, वेदप्रकाश बंसल, सुरेन्द्र गोयल, सुरेश शर्मा, प्रदीप सोनी, प्रदीप संघी, दीपक बंसल, महेश भालोठिया, सोमदेव शर्मा, नितेश शर्मा, रमा सोनी, पिस्ता शर्मा, मोनिका शर्मा, मंजू शर्मा, मंजू भालोठिया, पूजा शर्मा, रेखा संघी, निर्मल राज, प्रीति शर्मा, मुकेश शर्मा, उन्नति शर्मा, पूर्वी शर्मा, लक्षिका शर्मा, देवांशी शर्मा आदि उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

छात्रा को महाविद्यालय प्रबंधन ने किया सम्मानित

कनीना। इंदिरा गांधी यूनिवर्सिटी मीरपुर रेवाड़ी के बीएससी नॉन-मेडिकल के छठे सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम में गढ़ी बिसोहा गांव की बेटी सोनम ने यूनिवर्सिटी में प्रथम स्थान हासिल कर इतिहास रचने का काम किया है। छात्रा की इस उपलब्धि से परिवार, कॉलेज और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। इस सफलता पर गढ़ी के सरपंच राकेश कुमार व जीएल महिला डिग्री कॉलेज की चेयरपर्सन डॉ. रिंपी लोढ़ा ने सोनम के घर पहुंचकर उसे फूलमाला, पगड़ी और स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। डॉ. रिंपी लोढ़ा ने कहा कि रेवाड़ी और महेंद्रगढ़ जिले के 140 सरकारी व गैरसरकारी कॉलेजों के हजारों विद्यार्थियों को पीछे छोड़कर सोनम ने पहला स्थान प्राप्त किया है।

पूर्व प्रधान अमीलाल बोहरा का निधन

महेंद्रगढ़। गांव खायरा के निवासी और क्षेत्र के वयोवृद्ध व्यक्तित्व पूर्व प्रधान अमीलाल बोहरा (103) का आकस्मिक निधन हो गया। 103 वर्ष की दीर्घायु पाने के बावजूद, उनका स्वास्थ्य जीवनभर कभी खराब नहीं हुआ, जो आज के समय में एक मिसाल है। स्व. अमीलाल बोहरा महेंद्रगढ़ ट्रक यूनियन के पूर्व प्रधान दिवंगत अमर सिंह यादव के पिता थे। उनके पार्थिव शरीर को पैतृक गांव खायरा ले जाया गया तथा सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस अत्यंत दुखद अवसर पर उनके पौत्र डॉ. कुलदीप यादव ने उपस्थित सभी लोगों से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करने का आग्रह किया।

रेलवे स्टेशन पर दिया स्वच्छता का संदेश

मंडी अटेली। अटेली मंडी रेलवे स्टेशन पर रविवार को विशेष स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें रेलवे अधिकारियों के साथ-साथ शहर के गणमान्य लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अभियान का उद्देश्य स्टेशन परिसर को स्वच्छ,सुंदर और पर्यावरण के अनुकूल बनाना रहा। अभियान के दौरान स्टेशन अधीक्षक सुरेश जांगिड़ ने स्वयं नेतृत्व करते हुए प्लेटफॉर्म नंबर एक पर सफाई कार्य में श्रमदान किया। उनके साथ मौजूद लोगों ने झाड़ू लगाकर प्लेटफॉर्म की सफाई की और यात्रियों के बैठने के स्थानों, वेटिंग रूम तथा अन्य सार्वजनिक स्थानों को भी साफ-सुथरा बनाया। इस दौरान स्टेशन परिसर में जमा कचरे को हटाया गया और साफ-सफाई की विशेष व्यवस्था सुनिश्चित की गई।

बावड़ीपुर में निकाली प्रभात फेरी

नारनौल। श्री राधे राधे मित्र मंडल के तत्वावधान में प्रभात फेरी मोहल्ला बावड़ीपुर से निकाली गई। जिसका शुभारंभ मुख्य यजमान अनुराधा देवी पत्नी वशिष्ठ शर्मा परिवार के सदस्यों ने पावन ज्योति प्रज्वलित कर किया। इसके बाद श्रद्धालुओं को चंदन तिलक लगाया। महिला पुरुष व बच्चे भक्ति गीतों पर नाचते गाते हुए यात्रा में शामिल हुए। ढोल मृदंग और मंजीरों की मधुर धुन के साथ राधे-राधे नाम का संकीर्तन करते हुए प्रभात फेरी निकाली। यात्रा मोहल्ला बावड़ीपुर से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए मुख्य यजमान के निवास स्थान पर पहुंचकर संपन्न हुई। श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पुष्प वर्षा करके फेरी का स्वागत किया।

महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती के अवसर पर हुआ प्रतिभा सम्मान समारोह

कुम्हार धर्मशाला को पूरा कराने में सहयोग की नहीं रहने देंगे कोई कमी: धर्मबीर सिंह

- समाज के विकास और जनहित के कार्यों में हरसंभव सहयोग दिया जाएगा : सांसद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

प्रजापति समाज की निर्माणाधीन कुम्हार धर्मशाला को पूरा कराने में सहयोग की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। समाज के विकास और जनहित के कार्यों में हरसंभव सहयोग दिया जाएगा।

यह बात भिवानी-महेंद्रगढ़ के सांसद धर्मबीर सिंह ने नसीबपुर स्थित निर्माणाधीन कुम्हार धर्मशाला में महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती के अवसर पर आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कही। प्रगतिशील प्रजापति संगठन के तत्वावधान में आयोजित इस समारोह की अध्यक्षता लक्ष्मी नारायण प्रजापति (ठेकेदार) ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव तथा नगर परिषद चेयरपर्सन कमलेश सैनी तथा भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष दयाराम यादव मौजूद रहे। हरियाणा पिछड़ा वर्ग कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष शांता कुमार आर्य भी समारोह में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत समाज के गणमान्य लोगों द्वारा अतिथियों का फूलमालाओं से स्वागत कर की गई। सांसद धर्मबीर सिंह ने महाराजा दक्ष प्रजापति के समाज के प्रति योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उनके आदर्श आज भी समाज को प्रेरित करते हैं।

नारनौल। प्रजापत समाज की पुस्तिका का विमोचन करते अतिथिगण।

विधायक ओमप्रकाश यादव और चेयरपर्सन कमलेश सैनी ने भी समाज की एकजुटता और शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए धर्मशाला निर्माण में सहयोग का भरोसा दिलाया। प्रदेश अध्यक्ष शांता कुमार आर्य ने युवाओं से शिक्षा को प्राथमिकता देने तथा नशे से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षित और संस्कारित युवा ही समाज को नई दिशा दे सकते हैं।

100 प्रतिभाओं को किया सम्मानित

समारोह में महेंद्रगढ़ जिले की लगभग 100 प्रतिभाओं को शिक्षा, खेल, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। इस दौरान आयोजकों ने कहा कि समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित करने का उद्देश्य नई पीढ़ी को प्रोत्साहित करना और उत्कृष्ट कार्य करने वालों का मनोबल बढ़ाना है।

नई पीढ़ी को अच्छे संस्कार देने का आह्वान

कार्यक्रम आयोजक सीताराम प्रधान, संगठन के अध्यक्ष मोहर सिंह तथा डीपी वर्मा ने समाज के लोगों से सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने और नई पीढ़ी को अच्छे संस्कार देने का आह्वान किया। अंत में अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण प्रजापति ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का समारोह को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया।

सादगी व संस्कारों की प्रतीक शरबती यादव को नम आंखों से दी विदाई

मंडी अटेली। अटेली विधानसभा से चुनाव लड़ चुके वरिष्ठ नेता राव ओमप्रकाश इंजीनियर की माता शरबती यादव का शनिवार सायं को निधन हो गया। उनके निधन से पूरे गांव व आसपास के क्षेत्र में गहरा शोक व्याप्त है। वे ममता, सरलता और उच्च संस्कारों की प्रतिमूर्ति थी, जिनका जीवन समाज के लिए प्रेरणादायक रहा। रविवार सुबह दिवंगत शरबती देवी का अंतिम संस्कार बाबा जाटा जोहड़ बोचड़िया स्थित श्मशान भूमि में विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और गणमान्य लोगों ने पहुंचकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेंद्र नम्बरदार ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि शरबती यादव अत्यंत मिलनसार, मृदुभाषी और परोपकारी महिला थी। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित सभी लोगों ने ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। इस दुखद मौके पर उनके पुत्र रामनिवास यादव, ओमप्रकाश , देवदत्त यादव, धर्मपाल यादव, राजाराम यादव , सुरेंद्र नम्बरदार, कर्नल सत्यवीर सिंह, सुरेंद्र पटवा, राजकुमार, अनिल, असीम राव, सतीश गोयल व सत्यवान सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सरस्वती स्कूल में विद्यार्थियों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

सरस्वती सीनियर सेकेंडरी स्कूल में प्राचार्या वंदना यादव के नेतृत्व में पौधारोपण अभियान चलाया गया। अभियान में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया। उन्होंने प्रकृति की सुंदरता में पौधों की उपयोगिता का विस्तार पूर्वक उल्लेख किया। प्राचार्या ने कहा कि पौधे मानव जीवन का आधार हैं। इनके बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। पौधे शुद्ध ऑक्सीजन प्रदान करने के साथ-साथ पर्यावरण को संतुलित रखने, प्रदूषण कम करने और जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने में अहम भूमिका निभाते हैं। बढ़ते प्रदूषण और घटते हरित क्षेत्र को देखते हुए प्रत्येक विद्यार्थी को हर साल पांच पौधे अवश्य लगाने चाहिए और उनकी देखभाल भी करनी चाहिए। उन्होंने अपने आसपास के लोगों को भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया।

नांगल चौधरी। विद्यार्थियों को पौधरोपण के लिए प्रेरित करती प्राचार्या वंदना यादव।

बीएससी आनर्स फिजिक्स के छठे सेमेस्टर का परिणाम घोषित

छात्रा नेहा ने सातवां एवं छात्रा मनीषा यादव ने दसवां स्थान प्राप्त किया

- सूरज कॉलेज के विद्यार्थियों का रहा उत्कृष्ट प्रदर्शन
- कॉलेज का श्रेष्ठ परिणाम विद्यार्थियों के कठोर परिश्रम व शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

प्रिया

मनीषा

नेहा

इंदिरा गांधी यूनिवर्सिटी मीरपुर रेवाड़ी द्वारा बीएससी आनर्स फिजिक्स के छठे सेमेस्टर का परिणाम घोषित किया गया, जिसमें सूरज कॉलेज के विद्यार्थियों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। कॉलेज के निदेशक संदीप प्रसाद ने बताया कि छात्रा नेहा पुत्री चेतनप्रकाश ने 79.11 प्रतिशत अंक के साथ यूनिवर्सिटी की टॉप-10 मेरिट लिस्ट में सातवा एंव कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी कोर्स की छात्रा मनीषा यादव पुत्री कृष्ण कुमार ने 75.74 प्रतिशत अंक के साथ यूनिवर्सिटी की टॉप-10 मेरिट लिस्ट में दसवां एंव कॉलेज में दूसरा स्थान प्राप्त किया। इसी कड़ी में बीएससी ऑनर्स केमिस्ट्री के छठे सेमेस्टर की छात्रा प्रिया पुत्री अजित सिंह ने 86.67 प्रतिशत अंक के साथ कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी कोर्स की छात्रा शीतल पुत्री भीम सिंह ने 85.56 प्रतिशत, खुशबू पुत्री बाबूलाल ने 79.11 प्रतिशत, पूजा पुत्री गोविंद सिंह ने 78.89 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। प्राचार्य डा. सुधाकर गुप्ता ने बताया कि कॉलेज का श्रेष्ठ परिणाम विद्यार्थियों के कठोर परिश्रम व शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। कॉलेज के विद्यार्थी किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है। निदेशक संदीप प्रसाद ने भी परिणाम पर खुशी जाहिर करते हुए विद्यार्थियों, अभिभावकों व शिक्षकों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य के लिए कामना की।

नेकी की दीवार नीडी हेल्प ग्रुप ने लगाई गोवंश के लिए सवामणी

नारनौल। शहर की अग्रणी एवं सामाजिक संस्था नेकी की दीवार नीडी हेल्प ग्रुप की मुहिम गोमाता सवामणी के अंतर्गत हरे चारे की सवामणी का आयोजन श्री अनाथ गोशाला में किया गया। संस्था के संस्थापक मनीष गोगिया ने बताया कि संस्था हर महीने गोशालाओं में जाकर सवामणी का आयोजन करेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता मनीष गोगिया ने की। सर्वप्रथम पंडित ने विधिविधान से गोमाता की आरती करवाई। तत्पश्चात सभी साथियों ने मिलकर गोमाता को हरा चारा खिलाया। संस्था के मार्गदर्शक भारत भूषण वालिया व राजकुमार चौधरी एडवोकेट ने सभी शहर वासियों से निवेदन किया कि गोमाता के लिए सब्जी, हरे चारे की सवामणी का आयोजन करना चाहिए। सवामणी संस्था के प्रधान अमित मित्तल ने कहा कि गोमाता में 36 करोड़ देवी देवताओं का वास होता है। इस मौके पर हिमांशु संघी, मनीष मित्तल, अनिल शर्मा, मुकुल चौधरी, मनीष गोगिया, भारत भूषण वालिया, राजकुमार चौधरी एडवोकेट, हिमांशु संघी, एडवोकेट केके शर्मा, श्री अनाथ गोशाला से खेमचंद शर्मा, सज्जन सिंह, प्रधान उज्जन पाल, अजीत, कैलाश सोनी पहलवान, मुकेश वालिया, रमेश चंद रहीश आदि उपस्थित रहे।

कार्यकर्ताओं ने शीतल जल सेवा लगाई

महेंद्रगढ़। उदय नर्सिंग कॉलेज में हरियाणा पात्रता परीक्षा देने के लिए पहुंचे विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को भीषण गर्मी से राहत देने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा शीतल जल सेवा लगाई गई। इस सेवा के माध्यम से कॉलेज में आने वाले सभी लोगों को ठंडा पानी पिलाकर उनका स्वागत किया गया। इस पहल की उपस्थित लोगों ने सराहना करते हुए इसे मानव सेवा का प्रेरणादायक उदाहरण बताया। इस अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री डॉ. अर्चना ठाकुर एवं सरपंच देशराज पाली ने कहा कि भारतीय संस्कृति में प्यासे को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य कार्य माना गया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए आगे आने का आह्वान करते हुए कहा कि सेवा ही संगठन का मूल मंत्र है। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने पूरे उत्साह के साथ आने वाले प्रत्येक विद्यार्थी एवं अभिभावक को शीतल जल उपलब्ध कराया। इस अवसर पर भाजपा के योगेश शास्त्री व अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

महेन्द्रगढ़। मीठा पानी पिलाते हुए। फोटो: हरिभूमि

विधायक ने जताया एडवोकेट गजेंद्र सिंह के निधन पर शोक

नारनौल। विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव ने नारनौल निवासी एवं राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर छात्रसंघ के पूर्व प्रधान स्वर्गीय एडवोकेट गजेंद्र सिंह के निधन पर उनके आवास पहुंचकर शोक व्यक्त किया तथा शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। इस अवसर पर विधायक ओमप्रकाश यादव ने कहा कि जन्म और मृत्यु हमारे शास्त्रों के अनुसार परमात्मा द्वारा पूर्व निर्धारित हैं, लेकिन किसी पिता के सामने पुत्र का असमय निधन अत्यंत पीड़ादायक होता है। उन्होंने कहा कि मात्र 47 वर्ष की आयु में गजेंद्र सिंह का हम सभी को छोड़कर चले जाना समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। निधन पर हरियाणा कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री राव नरेंद्र सिंह सहित विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक व गणमान्य लोगों ने उनके आवास पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रदेश में विधायकों को मिल रही छाती में गोली मारने की धमकी

अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी से लोगों की भावना आहत: राव नरेंद्र

व्यापारियों को बंधक बनाकर लूट की वारदात से बना भय का माहौल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

विनायक गार्डन में ब्लॉक स्तरीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक प्रधान बिक्रम सिंह यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह, भिवानी-महेंद्रगढ़ के परिवेक्षक विनय सिंह, जिला प्रधान सत्यवीर झूकिया मुख्य रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम में देश व प्रदेश की लचर कानून व्यवस्था पर चिंता जताई, भाजपा सरकार पर युवा विरोधी होने के आरोप लगाए। इस दौरान उन्होंने बूथ स्तर तक संगठन को खड़ा करने के दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने लोकतांत्रिक प्रणाली से लंबे समय तक शासन किया है। शासन के दौरान विपक्षी दलों को सुरक्षा तथा जनप्रतिनिधियों का सम्मान मिलने की परंपरा रही है, लेकिन भाजपा ने शासन की गरिमा और नैतिकता को तार-तार कर दिया। प्रदेश में विधायकों को सरेआम छाती में गोली मारने की धमकी देकर फिरौती मांगी जा रही हैं। व्यापारी परिवार को बंधक बनाकर लाखों की लूट हो गई बावजूद सरकार पर कोई असर नहीं। अयोध्या के श्रीराम मंदिर से पूरे देश की धर्मिक आस्था जुड़ी है, जहां रोजाना लाखों लोग दर्शन करने आते हैं। पूजा-अर्चना के दौरान सोने-चांदी के आभूषणों समेत करोड़ों का नकद चढ़ावा आता है। बीते दिनों मंदिर में 200 करोड़ का चढ़ावा चोरी होने का मामला उजागर हुआ है। है। उन्होंने एक हजार करोड़ से अधिक चोरी होने की आंशका जताई है।

पुलिस के फिजिकल कराए जा रहे

उन्होंने सरकार पर युवा विरोधी होने के आरोप लगाए हैं। कहा कि 44 डिग्री तापमान में हरियाणा पुलिस के फिजिकल कराए जा रहे हैं, जिसमें अटेली निवासी एक युवक दौड़ लगाते हुए बेहोश होकर गिर गया था। करीब आधे घंटे तक ग्राउंड में तड़फता रहा, लेकिन विभाग ने चिकित्सीय सुविधा नहीं दी। दूसरी तरफ कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने इलाज के दौरान मौत होने का बयान देकर मजाक उड़ाई है। कार्यक्रम में महेश सोडा ने मंच का संचालन किया तथा वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सत्यपाल दहिया, राव होशियार सिंह, शीशराम एडवोकेट, नंदलाल बाबूजी, रतिराम सरपंच, बिक्रम अवाना, नारनौल ब्लॉक प्रधान मनपाल, अटेली के ब्लॉक प्रधान सुमेर सिंह, दलीप चेयरमैन, राजू किलानिया, सोनू तंवर, रिटायर्ड डीएम संतराम समेत पार्टी के नेतागण मौजूद रहे। इससे पहले कार्यकर्ताओं को एसआईआर आवेदन के लिए लोगों को जागरूक करने का आह्वान किया है।

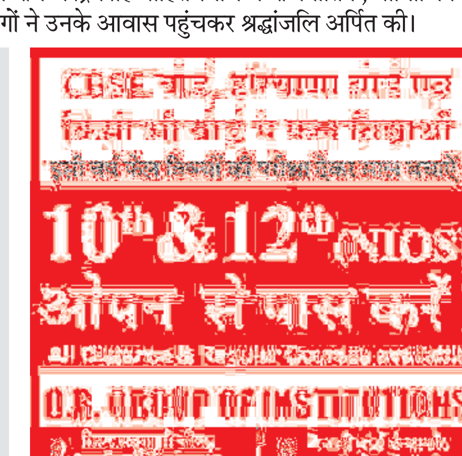

खबर संक्षेप

मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग

नारनौल। बहुजन समाज पार्टी के नेता प्रमुख समाजसेवी अतरलाल एडवोकेट ने पुलिस भर्ती शारीरिक परीक्षा के दौरान दौड़ते वक्त गांव सैदपुर निवासी युवक कपिल की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने सैदपुर गांव पहुंचकर पीड़ित परिवार का ढांढ़स बंधाया। अतरलाल ने सरकार से दोषी प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा मृतक की गर्भवती पत्नी को सरकारी नौकरी देने, परिवार को सम्मानजनक आर्थिक सहायता देने की मांग की है।

पुरानी टंकियों व कुओं का किया जीर्णोद्धार

नारनौल। आधुनिकता की दौड़ में जहां लोग अपनी ऐतिहासिक धरोहरों और पारंपरिक जल स्त्रोतों को भूलते जा रहे हैं, वहीं युवा शक्ति फाउंडेशन सेका ने समाज के सामने एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। संस्था ने ग्राम पंचायत सेका के सहयोग से गांव में स्थित प्राचीन जल स्त्रोतों, ऐतिहासिक कुओं और पुरानी पानी की टंकियों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिए विशेष साफ-सफाई एवं जीर्णोद्धार अभियान चलाया। अभियान के तहत वर्षों से उपेक्षित पड़ी एक प्राचीन पानी की टंकी और उसके आसपास के परिसर की व्यापक सफाई की गई।

महादेव मंदिर के शिखर पर पीतल की ध्वजा स्थापित

महेंद्रगढ़। श्री मोदाश्रम महादेव मंदिर में रविवार प्रातः आयोजित धार्मिक अनुष्ठान के दौरान मंदिर के शिखर पर विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पीतल की ध्वजा स्थापित की गई। इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में शिवभक्तों एवं श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर भगवान शिव का पूजन-अर्चन किया और सुख-समृद्धि की कामना की। मोदाश्रम समिति के प्रधान सुधीर दीवान ने बताया कि रविवार को प्रातः आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ भाग लिया। मंदिर के शिखर पर पीतल की ध्वजा की विशेष पूजा-अर्चना कर ध्वजा स्थापित की गई तथा सभी श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया।

आजीवन सदस्य 10 जुलाई तक जमा कराएं आवेदन

नारनौल। श्री गोपाल गोशाला (रजि.) ने आजीवन सदस्यता अभियान शुरू करते हुए अधिक से अधिक लोगों से गोशाला से जुड़ने और गौसेवा के कार्य में सहयोग देने का आह्वान किया है। गोशाला प्रबंधन ने बताया कि इच्छुक व्यक्ति सदस्यता ग्रहण कर सकते हैं, जबकि आवेदन पत्र 10 जुलाई तक गोशाला कार्यालय में जमा कराने होंगे। 15 जुलाई को सदस्यता सूची ऑनलाइन कर दी जाएगी। गोशाला के महासचिव वासुदेव यादव द्वारा जारी बयान में बताया गया कि नए आजीवन सदस्य बनने के लिए 1100 रुपये का शुल्क निर्धारित किया गया है। यदि उनका नाम ऑनलाइन दर्ज नहीं है तो उन्हें हरियाणा सोसायटी एक्ट-2012 के नियमानुसार फार्म-10 भरकर आधार कार्ड की प्रति संलग्न करते हुए ऑनलाइन करवाना होगा।

रेवाड़ी-महेन्द्रगढ़ में डिजिटल क्रांति की नई शुरुआत: भारतनेट योजना से ग्रामीण युवाओं को मिलेगा स्वरोजगार का अवसर

बीएसएनएल के 259 एफटीटीएच प्लान से गांव-गांव पहुंचेगा हाई-स्पीड इंटरनेट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

भारत सरकार की महत्वाकांक्षी भारतनेट उद्यमी (बीएनयू) योजना के तहत रेवाड़ी और महेन्द्रगढ़ जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। बीएसएनएल की ओर से गांव-गांव हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड सेवाओं का विस्तार तेजी से किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण नागरिकों को आधुनिक डिजिटल सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके साथ ही स्थानीय युवाओं के लिए स्वरोजगार और उद्यमिता के नए अवसर भी सृजित होंगे। महाप्रबंधक दूरसंचार रेवाड़ी पूरन चंद ने बताया कि भारतनेट उद्यमी योजना का उद्देश्य केवल इंटरनेट सेवाएं उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि ग्रामीण युवाओं को डिजिटल अर्थव्यवस्था से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना भी है।

योजना के तहत स्थानीय उद्यमियों को प्रत्येक सक्रिय ब्रॉडबैंड कनेक्शन से प्राप्त आय का 50 प्रतिशत राजस्व प्रदान किया जाएगा। ग्रामीण उपभोक्ताओं की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बीएसएनएल ने मात्र 259 प्रतिमाह का विशेष एफटीटीएच (फाइबर टू द होम) ब्रॉडबैंड प्लान शुरू किया है। इस प्लान में 25 एमबीपीएस तक की हाई-स्पीड इंटरनेट सेवा, अनलिमिटेड डेटा, अनलिमिटेड वॉइस कॉलिंग, निःशुल्क इंस्टॉलेशन, वाई-फाई मॉडेम तथा वेव्स ओटीटी सेवाएं शामिल हैं। यह प्लान मासिक, त्रैमासिक और वार्षिक विकल्पों में उपलब्ध है, जिससे ग्रामीण परिवार अपनी सुविधा के अनुसार इसका लाभ उठा सकते हैं।

डिजिटल इंडिया के लिए महत्वपूर्ण कदम

बीएसएनएल का कहना है कि यह पहल डिजिटल इंडिया के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। स्वरोजगार, आधुनिक तकनीक और गुणवत्तापूर्ण इंटरनेट सेवाओं के समन्वय से रेवाड़ी तथा महेन्द्रगढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों में विकास का नया अध्याय शुरू होने की उम्मीद है, जिससे डिजिटल आत्मनिर्भरता के साथ-साथ सामाजिक और आर्थिक प्रगति को भी मजबूती मिलेगी।

आसानी से करा सकते है ब्रॉडबैंड कनेक्शन बुक

बीएसएनएल अधिकारियों के अनुसार इच्छुक उपभोक्ता टोल-फ्री नंबर 1800-4444, बुक माय फाइबर पोर्टल या अपने निकटतम भारतनेट उद्यमी अथवा बीएसएनएल ग्राहक सेवा केंद्र के माध्यम से आसानी से ब्रॉडबैंड कनेक्शन बुक करा सकते हैं। इससे दूर-दराज के गांवों में भी तेज और भरोसेमंद इंटरनेट सेवा उपलब्ध कराना संभव होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि भारतनेट योजना ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल बदलाव की आधारशिला साबित होगी। हाई-स्पीड इंटरनेट के माध्यम से विद्यार्थियों को ई-लर्निंग, मरीजों को टेलीमेडिसिन, नागरिकों को ई-गवर्नेंस सेवाओं तथा किसानों एवं छोटे कारोबारियों को डिजिटल बाजारों तक आसान पहुंच मिलेगी। इससे न केवल डिजिटल समावेशन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी नई गति प्राप्त करेगी।

हर ग्राम पंचायत को सांसद की ओर से मिलेगा एक ट्रैक्टर ट्राली, ग्रामीण स्वच्छता क्षेत्र में आएगा निखार

जीरामजी के तहत अब पंचायतों में 58 तरह के होंगे कार्य, 50 करोड़ का एस्टीमेट भेजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

केंद्र सरकार ने मनरेगा में किए गए बदलावों के बाद अब जीरामजी कर दिया है जो एक जुलाई से पूरी तरह से विधिवत रूप से लागू हो गई है। जीरामजी के तहत अब पंचायतों में 58 तरह के कार्य कराए जा सकेंगे और स्वच्छता अभियानों के लिए इसी मद से पर्याप्त बजट मिलेगा।

जिले में विकास कार्यों के लिए 50 करोड़ रुपये के एस्टीमेट प्रथम फेज के लिए भेजे गए हैं। यह बात सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में पत्रकार वार्ता के दौरान कही। सांसद ने सरकार की योजना, ग्रामीण विकास तथा प्रशासनिक सुधार पर विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि ग्रामीण विकास के लिए एक जुलाई से मनरेगा का नाम बदलकर जीरामजी हो गया है। इस बदलाव के बाद अब गांवों में विकास को एक नई गति मिलेगी और पंचायतों की फंड संबंधी समस्याएं पूरी तरह खत्म हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि पहले मनरेगा के तहत केवल मिट्टी खुदाई से संबंधित सीमित कामकाज ही किए जाते थे। अब गांवों में 58 तरह के ढांचागत कार्य कराए जा सकेंगे। इसके अंतर्गत अब गांवों में पक्की सड़कें, नहरों की सफाई, श्मशान घाटों का जीर्णोंद्वार, तालाबों का सौंदर्यकरण और स्वच्छता से संबंधित व्यापक कार्यों को अमलीजामा पहनाया जा सकेगा।

सांसद ने कहा कि योजना से जिले में करीब 500 करोड़ रुपये के विकास कार्य करवाएं जाने का लक्ष्य है, जिससे हर बेरोजगार ग्रामीण को घर के पास ही रोजगार सुनिश्चित होगा। प्रथम चरण के तहत जिले के लिए 50 करोड़ रुपये के एस्टीमेट बनाकर मुख्यालय भेजे जा चुके हैं, जिनकी मंजूरी के बाद तुरंत काम शुरू होगा।

नारनौल। प्रेसवार्ता करते सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह। *फोटो : हरिभूमि*

ये रहे मौजूद

इस मौके पर जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव, पूर्व जिला अध्यक्ष दयाराम यादव, नप चेयरपर्सन कमलेश सैनी, सोमेश यादव, अश्वनी यादव, विकास यादव, सोमदेव शर्मा मौजूद रहे।

जिले की 343 ग्राम पंचायतों को मिलेंगी ट्रैक्टर-टालियां

सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह ने कहा कि गांवों में सफाई व्यवस्था के लिए शेष 343 ग्राम पंचायतों को ट्रैक्टर ट्राली प्रदान की जागी। इरयह दकम ग्रामीण क्षेत्रों में सफाई व्यसवस्था में एक व्यापक और क्रांतिकारी बदलाव लाने का काम करेगा। इससे सरपंच और ग्राम पंचायतें बिना किसी प्रशासनिक परेशानी से अपने स्तर पर गांवों का कूड़ा कचरा प्रबंधन और सफाई सुचारू रूप से करा सकेंगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले किसी ने भ्नहीं सोचा था कि महेंद्रगढ़ जिले में इस तरह के चमचमाते नेशनल हाइवें और रोड नेटवर्क बन जाएंगे, जो आज धरातल पर दिखाई दे रहे है।

भाजपा की अंदरुनी राजनीति : अधिकारियों के निलंबन पर नहीं हो राजनीति

बीते दिनों स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव की बैठक में समय पर नहीं पहुंचने पर डीडीपीओ प्रमोद कुमार को निलबंन कर दिया गया था। इस अधिकारी के पक्ष में भाजपा गुट से ही जुड़े कुछ लोगों ने विरोध प्रदर्शन पर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा था और निलबंन रद्द करने की मांग की थी। यह मुद्दा खुद सांसद ने ही मीडिया के सामने उठाया और डीडीपीओ प्रमोद कुमार के निलबंन का सही ठहराते हुए कहा कि कुछ लोग अधिकारियों के सस्पेंड होने पर भी राजनीति कर रहे हैं, जो पूरी तरह गलत है। यह सरकार की सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया है। जब सरकार कार्रवाई नहीं करती तो भी लोग बोलते है और जब जनता के हित में कदम उठाया गया तो बिना वजह विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। उन्होंने विरोध प्रदर्शन को अनुचित बताया। वहीं वहां मौजूद विधायक ओमप्रकाश यादव ने भी मामले पर अपना पक्ष रखा और कहा कि सरकारी अधिकारियों की लापरवाही का समर्थन करना और उनके हक में प्रदर्शन करना एक बेहद बुरी सोच का नतीजा कहा जा सकता है।

जिले के गांवों के विकास के लिए अटके 17.5 करोड़ रुपये होंगे खर्च

महेंद्रगढ़। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को अब नई रफ्तार मिलने जा रही है। लंबे समय से तकनीकी और प्रशासनिक कारणों से अटकी करीब 17.5 करोड़ रुपये की विकास राशि अब खर्च हो सकेगी। केंद्र सरकार से आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद जिले की ग्राम पंचायतों में विभिन्न विकास कार्यों का रास्ता साफ हो गया है। इस फैसले से सड़क, नाली, पेयजल, सामुदायिक भवन, गलियों के निर्माण, स्वच्छता और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े कार्यों में तेजी आने की उम्मीद है। केन्द्र सरकार के 15 वित्त आयोग के तहत जिले के दर्जनों गांवों को मिलने वाली ग्रांट अटकी हुई थी। पैसा मंजूर होने के बाद भी टेक्नीकल रूप से खर्च नहीं हो पा रहा था। इसी विषय को लेकर सांसद धर्मबीर सिंह पिछले कुछ महीनों से केन्द्र सरकार के पंचायती राज विभाग के उच्च अधिचारियों के संपर्क मे थे। परंतु मामला सुलझ नहीं पा रहा था। इसको लेकर सांसद ने पंचायती राज विभाग के केन्द्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह को पत्र लिखकर अनुरोध किया कि ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर मैनुअल एंट्री की मंजूरी प्रदान की जाए। पंद्रहवें वित्त आयोग के तहत पैसा तो मंजूर हो रखा था, परंतु मैनुअल एंट्री की सुविधा ना होने की वजह से विकास के कार्य नहीं हो पा रहे थे। सांसद के पत्र के बाद विभाग के अधिकारी हरकत में आए तथा जिले के दर्जनों गांवों के लगभग 17.5 करोड़ रुपये के विकास कार्य को मैनुअल एंट्री की मंजूरी दी गई। इसके तहत जिला परिषद को भी लगभग 8.08 करोड़ के विकास कार्य करवाने का रास्ता खुल गया है। इसके साथ-साथ पंचायत समिति कनीना में 53.53 लाख तथा पंचायत समिति सतनाली में 12.75 लाख रुपये के विकास कार्य हो सकेंगे। जिले के चार ब्लॉक के 112 गांवों में विकास कार्य हो सकेंगे। अटेली ब्लॉक के 30 गांव में लगभग 2.07 करोड़, महेंद्रगढ़ ब्लॉक के 50 गांवों में लगभग 3.52 करोड़, निजामपुर ब्लॉक के नौ गांवों में लगभग 27 लाख तथा सतनाली ब्लॉक के 23 गांवों लगभग 2.78 करोड़ के विकास कार्य हो सकेंगे। सांसद धर्मबीर सिंह के प्रयासों से गांव एवं शहरों में विकास के लिए केन्द्र सरकार से करोड़ों रुपये की राशि आ रही है। केन्द्र एवं राज्य सरकार का ध्येय है कि गांवों का विकास भी शहरों की ही तर्ज पर किया जाए।

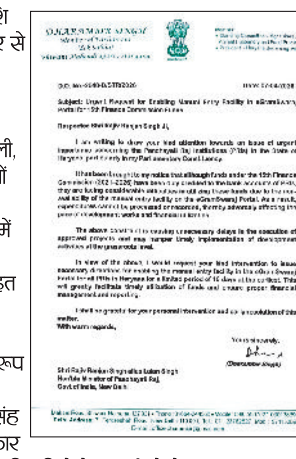

बारड़ा-सुरेहती पिलानियां से राजस्थान बॉर्डर तक बनेगी सड़क

सतनाली मंडी। सतनाली क्षेत्र में बारड़ा से सुरेहती पिलानियां तथा सुरेहती पिलानियां से राजस्थान बॉर्डर तक बनने वाली नई सड़कों के निर्माण कार्य का शुभारंभ विधायक कंवर सिंह यादव ने नारियल फोड़कर एवं ग्रामीणों को लड्डू खिलाकर किया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने विधायक का फूलमालाओं से स्वागत कर उनका आभार व्यक्त किया। इन दोनों सड़कों का निर्माण कार्य मार्केटिंग बोर्ड महेंद्रगढ़ की ओर से कराया जाएगा। विधायक कंवर सिंह यादव ने बताया कि बारड़ा से सुरेहती पिलानियां तक लगभग तीन किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण 98.87 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा। वहीं सुरेहती पिलानियां से राजस्थान बॉर्डर तक लगभग दो किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण 50.74 लाख रुपये की लागत से होगा। दोनों सड़कें 12 फुट चौड़ी बनाई जाएंगी। सड़क निर्माण कार्य लगभग तीन महीने में पूरा कर लिया जाएगा। विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि उनकी प्राथमिकता विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव तक बेहतर सड़क, पेयजल, सिंचाई और अन्य मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि अच्छी सड़कें किसी भी क्षेत्र के विकास की आधारशिला होती हैं। इन सड़कों के बनने से ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी।क्षेत्र के विकास के लिए मजबूत सड़क संपर्क बेहद आवश्यक है। अच्छी सड़कें बनने से किसानों, विद्यार्थियों, व्यापारियों और आम नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा। हमारी सरकार बिना किसी भेदभाव के विकास कार्यों को गति दे रही है और हर गांव तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

एसडीएम की अध्यक्षता में बीएलए 2 व सुपरवाइजर्स को दी ट्रेनिंग

नारनौल। एसडीएम एवं निर्वाचक पंजीयन अधिकारी अनिरुद्ध यादव की अध्यक्षता में पंचायत भवन में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर एक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में नारनौल विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की सभी राजनीतिक पार्टियों के बीएलए-2 और सुपरवाइजर्स ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर एसडीएम ने कहा कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बिल्कुल सटीक, पारदर्शी और त्रुटिहीन मतदाता सूची तैयार करना है, जिसमें सभी पात्र नागरिकों के नाम शामिल हों। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण का यह कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसे बिना किसी देरी के जल्द से जल्द पूरा किया जाए। उन्होंने सभी बीएलए-2 और सुपरवाइजर्स को निर्देश दिए कि वे आपसी समन्वय के साथ पूरी मुस्तैदी से काम में जुट जाएं, ताकि निर्धारित समय सीमा के भीतर इस कार्य को संपन्न किया जा सके। उन्होंने कहा कि वे अपने-अपने मतदान केंद्र पर बीएलओ और साथ ही उस मतदान केंद्र के मतदाताओं के साथ एक बैठक करें। बीएलओ आपके साथ अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और डुप्लिकेट मतदाताओं की जो सूची साझा करेंगे। इसकी अपने स्तर पर भी पुष्टि करें। यदि पुष्टि के बाद सूची सही पाई जाती है, तो उस पर अपने-अपने हस्ताक्षर अवश्य करें। इस दौरान उन्होंने उपस्थित प्रतिनिधियों को पुनरीक्षण कार्य की बारीकियों और नियमों को बारीकी से समझाया।

मांग मंच ने ज्ञापन देकर की प्रमुख समस्याओं के समाधान का मुद्दा उठाया

रेलवे स्टेशन पर मूलभूत सुविधाओं का अभाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

अटेली रेलवे स्टेशन पर मूलभूत यात्री सुविधाओं की कमी को लेकर दैनिक रेलयात्री जागरुक मंच नारनौल-अटेली के तत्वावधान में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान मंच के सदस्यों ने स्टेशन अधीक्षक सुरेश शर्मा के माध्यम से रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव के नाम एक ज्ञापन पत्र भेजकर स्टेशन की प्रमुख समस्याओं के समाधान की मांग उठाई। कार्यक्रम के दौरान मंच के सदस्यों ने अटेली रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को हो रही परेशानियों को विस्तार से रखते हुए चार मुख्य मांगें प्रमुखता से रखी। सबसे पहले आरक्षण टिकट खिड़की की मांग उठाई गई।

मास्टर विजय भारद्वाज ने बताया कि स्टेशन पर कई आरक्षित ट्रेनों का ठहराव होने के बावजूद यहां टिकट आरक्षण की सुविधा उपलब्ध नहीं है। इसके चलते यात्रियों को टिकट बुक कराने के लिए नारनौल या रेवाड़ी जाना पड़ता है जिससे उनका समय और पैसा दोनों व्यर्थ होता है। दूसरी प्रमुख मांग प्लेटफार्म पर टीन शेड की व्यवस्था को लेकर उठाई गई। तीसरी मांग माता वैष्णो देवी कटरा के लिए सीधी ट्रेन चलाने की रही। मंच के उपाध्यक्ष महेश बखालिया ने कहा कि इस क्षेत्र से बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए जाते हैं लेकिन सीधी ट्रेन की सुविधा न होने के कारण उन्हें असुविधा झेलनी पड़ती है। उन्होंने इस रूट पर सुपरफास्ट ट्रेन चलाने की मांग की। चौथी मांग के तहत चंडीगढ़-बांद्रा सुपरफास्ट एक्सप्रेस (22451/22452) के प्रतिदिन संचालन और अटेली स्टेशन पर ठहराव की मांग उठाई गई। मंच के सचिव मनीष कोली ने बताया कि इससे मुंबई और चंडीगढ़ जाने वाले यात्रियों को सीधी और बेहतर सुविधा मिल सकेगी।

इस मौके पर राजू आर्य, जतिन जांगिड़, संदीप जांगिड़ और कपिल सहित मंच के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। मंच के सदस्यों ने उम्मीद जताई कि रेलमंत्री जल्द ही इन मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई करेंगे।

मंडी अटेली। रेलवे स्टेशन अधीक्षक को ज्ञापन सौंपते हुए। फोटो : हरिभूमि

पर्याप्त टीन शेड लगाने की मांग

मंच के सदस्य भीम कुमार और दीपक कुमार ने बताया कि प्लेटफार्म के शुरुआती और अंतिम छोर पर पर्याप्त शेड नहीं होने के कारण यात्रियों विशेषकर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को धूप व बारिश में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने प्लेटफार्म के दोनों ओर पर्याप्त टीन शेड लगाने की मांग की।

श्रद्धांजलि सभा

अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारी माता जी

श्रीमती शरबती यादव

का निधन

दिनांक : 4 जुलाई 2026 को हो गया था

उनकी नियमित श्रद्धांजलि सभा

गांव बोचड़िया (अटेली) फॉर्म हाऊस पर रखी गई है

काज

19 जुलाई 2026, रविवार

लोकेशन के लिए QR कोड स्कैन करे

रामनिवास यादव (पुत्र) सुबेदार देवदत्त यादव (पुत्र)

राव ओम प्रकाश इंजीनियर (पुत्र)